डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर की तेज रफ्तार

पूर्वी और पश्चिमी डीएफसी के कुछ हिस्से 2016 में शुरू होने की उम्मीद

अगले कुछ साल में देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने का दावा करने वाले डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के काम ने पिछले दो साल में तेजी पकड़ ली है. इस बात का अंदाजा पिछले दिनों डीएफसीसीआईएल के मैनेजिंग डायरेक्टर आदेश शर्मा की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस से हुआ जिसमें उन्होंने बताया कि पूर्वी डीएफसी-3 प्रोजेक्ट के लिए पिछले साल 30 जून को विश्व बैंक द्वारा 650 मिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज मंजूर कर किया गया. जनवरी 2015 के बाद कुल 18,813 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत हुए जबकि इससे पहले के 6 वर्षों में कुल 13,209 करोड़ के करार हुए. इस दौरान पश्चिमी डीएफसी के रेवाड़ी-इकबालगढ़ सेक्शन में हो रहे अर्थवर्क और कंक्रीट के काम में 10 गुना तेजी आई. पूर्वी डीएफसी के खुर्जा-कानपुर सेक्शन में चल रहे अर्थवर्क और कंक्रीट के काम में तीन गुना तेजी आई. डीएफसी प्रोजेक्ट 9 राज्यों 61 जिलों और 2100 से ज्यादा गांवों से होकर गुजरेगा.

माल ढुलाई के क्षेत्र में आएगी क्रांति

परियोजना के लिए अधिग्रहण की जाने वाली कुल 11550 हेक्टेयर भूमि में से 87 प्रतिशत का अधिग्रहण किया जा चुका है. ज्यादातर पर्यावरणीय अनापत्तियां प्राप्त की जा चुकी हैं. अब तक जमीन से जुड़े 3864 मध्यस्थता और 709 कोर्ट केसों का निपटारा किया जा चुका है. जिस तेजी से काम चल रहा है उसे देखते हुए डीएफसीसीआईएल के एमडी आदेश शर्मा ने भरोसा दिलाया कि पूर्वी और पश्चिमी फ्रेट कोरीडोर्स के कुछ हिस्सों की शुरुआत इसी साल 2016 में हो जाएगी जबकि दिसंबर 2017 में मुगलसराय-सोननगर 126 किमी, मार्च 2018 में भाऊपुर-खुर्जा 324 किमी, जून 2018 में रेवाड़ी-इकबालगढ़ 655 किमी, दिसंबर 2018 में भाऊपुर-मुगलसराय 402 किमी, दिसंबर 2018 में ही दादरी-खुर्जा 46 किमी, अक्टूबर 2019 में इकबालगढ़-वडोदरा 308 किमी, अक्टूबर 2019 में ही वडोदरा-जेएनपीटी 403 किमी और रेवाड़ी-दादरी 127 किमी के साथ पूर्वी कोरीडोर का खुर्जा-लुधियाना 401 किमी मार्ग भी काम करने लगेगा. डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन के काम से खुश रेल मंत्रालय ने उसे चार अतिरिक्त कोरीडोरों की प्रिलिमनेरी इंजीनियरिंग एंड ट्रैफिक सर्वे पूरा करने को कहा है जिसका कार्य प्रगति पर है. इसके तहत 2330 किलोमीटर लंबा कोलकाता और मुंबई के बीच पूर्व-पश्चिम कोरीडोर, 2343 किलोमीटर लंबा दिल्ली और चेन्नई के बीच उत्तर-दक्षिण कोरीडोर, 1100 किलोमीटर लंबा खड़गपुर और विजयवाड़ा के बीच पूर्व तट कोरीडोर और 899 किलोमीटर लंबा चेन्नई और गोवा के बीच दक्षिणी कोरीडोर बनाने की दिशा में सर्वे का काम तेजी से चल रहा है. जाहिर है डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर्स के बनने के बाद देश में माल ढुलाई में क्रांति आ जाएगी और मौजूदा रेल पटरियों से बोझ घटने का अच्छा असर सवारी गाड़ियों पर भी पड़ेगा और लेटलतीफी के लिए बदनाम भारतीय रेल के वास्तव में अच्छे दिन आ जाएंगे.

-डीएफसीसीआईएल के सीएमडी आदेश शर्मा की प्रेस कॉन्फ्रेंस से मिले इनपुट पर आधारित

डीएफसीसीआईएल के सीएमडी आदेश शर्मा को हिंदुस्तान ओपिनियन की प्रति भेंट करते हुए वरिष्ठ संवाददाता विकास गुप्ता